फा. सं. 16015/1/2019-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 22 अक्टूबर, 2020

## कार्यालय ज्ञापन

**विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह सितंबर, 2020 के मासिक सार के संबंध में।**

अधोहस्ताक्षरी को माह सितंबर, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(जोहन तोपनो)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष: 011-23388064

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि :

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. एनआईसी को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: माह सितंबर, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | माह के दौरान उत्पादन | इस माह तक संचयी उत्पादन |
|---|---|---|
| यूरिया | 19.71 | 123.93 |
| डीएपी | 3.40 | 19.17 |
| अमोनियम सल्फेट (ए/एस) | 0.64 | 3.27 |
| मिश्रित उर्वरक | 8.35 | 43.40 |
| सिंगल सुपर फॉस्फेट | 4.60 | 25.69 |

स्रोत : mfms.nic.in 07.10.2020 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | आकलित आवश्यकता | उपलब्धता | बिक्री |
|---|---|---|---|
| यूरिया | 24.79 | 65.93 | 22.62 |
| डीएपी | 8.09 | 50.13 | 7.65 |
| एमओपी | 3.37 | 17.15 | 3.24 |
| मिश्रित | 9.01 | 42.24 | 11.05 |

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

| उत्पाद का नाम | मात्रा 'लाख मी.टन' में |
|---|---|
| यूरिया | 16.60 |
| कृषि उपयोग हेतु एमओपी | 2.89 |
| डीएपी | 6.13 |
| एनपीके | 0.81 |

4. एफसीआईएल/एचएफसीएल की बंद यूनिटों की माह सितंबर, 2020 के दौरान पुनरुद्धार की स्थिति:

(क) <u>रामागुण्डम यूनिट का पुनरुद्धार:</u>

i. <u>परियोजना के विषय में:</u>

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता के गैस-आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार पर एफसीआईएल की रामागुण्डम इकाई के पुनरुद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, रामागुण्डम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी

निगमित की गई थी। एनएफएल और ईआईएल प्रत्येक की इक्विटी 26% है और एफसीआईएल की इक्विटी 11% है। इसके अतिरिक्त, आरएफसीएल में तेलंगाना राज्य सरकार की इक्विटी 11%, गेल की 14.3% और एचटीएएस कंसोर्टियम की 11.7% इक्विटी है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग (डीओएफ) द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है। तेलंगाना में आरएफसीएल साइट पर श्री मनसुख एल. मांडविया, माननीय राज्य मंत्री (जहाजरानी)(स्वतंत्र प्रभार) और (रसायन एवं उर्वरक) तथा श्री जी. किशन रेड्डी, माननीय गृह राज्य मंत्री ने दिनांक 12.09.2020 को आरएफसीएल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। सचिव (उर्वरक) ने भी दिनांक 28.09.2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आरएफसीएल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। आरएफसीएल परियोजना की एससीओडी 15.11.2020 है।

ii. **वृद्धिशील प्रगति:**

क. अगस्त, 2020 तक समग्र प्रगति 99.70% है।
ख. सितंबर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 0.04% है।
ग. सितंबर, 2020 तक समग्र प्रगति 99.74% है।
इस समय यह परियोजना चालू किए जाने से पूर्व/चालू किए जाने के चरण में है।

**(ख) तलचर यूनिट का पुनरुद्धार**

i. **परियोजना के बारे में**

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता वाले गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार के माध्यम से एफसीआईएल की तलचर यूनिट के पुनरूद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 31.85% और एफसीआईएल की इक्विटी 4.45% है। टीएफएल संयंत्र कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर आधारित है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठक के माध्यम से उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जा रही है। हाल की अंतिम मासिक समीक्षा बैठक दिनांक 28.09.2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई थी। टीएफएल परियोजना के सितंबर, 2023 तक शुरू हो जाने की संभावना है।

ii. **वृद्धिशील प्रगति:**

टीएफएल परियोजना की समग्र प्रगति निम्नानुसार है:-

क) अगस्त, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 5.81% है।
ख) सितंबर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 0.25% है।
ग) सितंबर, 2020 तक परियोजना की समग्र प्रगति 6.06% है।

(ग) **गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी यूनिटों का पुनरुद्धार:**

I **परियोजना के बारे में**

मंत्रिमंडल ने दिनांक 13.07.2016 को आयोजित अपनी बैठक में एफसीआईएल की गोरखपुर और सिंदरी यूनिटों तथा एचएफसीएल की बरौनी यूनिट का नामित पीएसयूज का एक संयुक्त उद्यम तैयार करके नामांकन आधार के माध्यम से पुनरुद्धार किए जाने को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, हिदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लि.(एचयूआरएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनटीपीसी, आईओसीएल और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 29.67% है जबकि एफसीआईएल के संबंध में यह 10.99% है। एचयूआरएल, गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में 1.27 एमएमटीपीए क्षमता प्रत्येक की तीन गैस आधारित यूरिया विनिर्माण यूनिटों की स्थापना कर रहा है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है। इसके अतिरिक्त, सीईओ, नीति आयोग ने भी दिनांक 30.07.2020 को इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। हाल की अंतिम मसिक समीक्षा बैठक दिनांक 28.09.2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई। इन परियोजनाओं के वर्ष 2021 तक उत्पादन शुरू करने की संभावना है।

ii. **वृद्धिशील प्रगति :**

**I) गोरखपुर परियोजना**

क. अगस्त, 2020 तक समग्र प्रगति 81.5% है।

ख. सितंबर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.1% है।

ग. सितंबर, 2020 तक समग्र प्रगति 82.6% है।

**II) बरौनी परियोजना**

क) अगस्त, 2020 तक समग्र प्रगति 74.6% है।

ख) सितंबर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.8% है।

ग) सितंबर, 2020 तक समग्र प्रगति 76.4% है।

**III) सिंदरी परियोजना**

क) अगस्त, 2020 तक समग्र प्रगति 75.9% है।

ख) सितंबर, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.3% है।

ग) सितंबर, 2020 तक समग्र प्रगति 77.2% है।

5. **व्यय की स्थिति:**

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए उपलब्ध 73939.00 करोड़ रुपये के बजट की तुलना में सितंबर, 2020 के दौरान उर्वरक राजसहायता प्रदान करने पर 12383.03 करोड़ रुपये (यूरिया: 11307.51 करोड़ रुपये, पीएंडके: 1070.71 करोड़ रु, शहरी कम्पोस्ट: 4.61 करोड रु. और डीबीटी व्यावसायिक: 0.20 करोड़ रुपये) व्यय हुए। सितंबर, 2020 तक 56822.42 करोड़ रु. (यूरिया: 45240.87 करोड़ रु, पीएंडके उर्वरक: 11554.94 करोड़ रु., शहरी कम्पोस्ट: 21.97 करोड़ रु. डीबीटी व्यावसायिक 4.64 करोड़ रु.) अर्थात कुल आवंटन का 76.85 % का क्रमिक व्यय हुआ।

*******